UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY FACULTY OF ARTS AND SOCIAL SCIENCES

(SINDHI)

M.A. Previous Examination

M.A. Final Examination

2020-21

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

Helpstudentpoint.com

एम. ए. सिंधी पूर्वार्द्ध पाठ्यक्रम - 2021

प्रथम प्रश्न पत्र

प्राचीन कविता (सन् 1843 से पूर्व)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक 100**

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स - इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो। कुल अंक - 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

शाह जो रसालो व सामीअ जा श्लोक में से दो – दो, कुल चार व्याख्याएं

इकाई (II)

शाह लतीफ का जीवन और काव्य शाह लतीफ के काव्य की विशेषताएं (कलात्मक) सूफी कवि शाह लतीफ।

Helpstudentpoint.com

इकाई (III)

शाह जो रसालो के पाठ्यक्रम में निर्धारित चार सुरों की विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न शाह लतीफ के नायक व नायिकाएं।

चार सुरः

1. सुर कल्याण
2. सुर सांमूडी
3. सुर सुहिणी
4. सुर सोरठ

इकाई (IV)

सामीअ जा श्लोक विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न (तात्पुरिज)

इकाई (V)

सामी का संत काव्य में स्थान सामी का जीवन दर्शन (फेलसूफी) सामी के काव्य की कलात्मक विशेषताएं।

संदर्भ पुस्तकें:

1. डॉ. होतचन्द मूलचन्द गुरबक्षाणी - मुकदमें लतीफी
2. कल्याणी बी. आडवाणी - शाह
3. जेठमल गुलराजाणी - शाह जूं आखाणियूं
4. भेरूमल मेहरचन्द - लतीफी सैर
5. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - शाह अब्दुल लतीफ हिज़ लाइफ एण्ड वर्क

Hellostudentpoint.com

6.	बी. एच. नागराणी	- सामीअ जा चूंड श्लोक
7.	कल्याण आडवाणी	- सामी
8.	प्रो. पोपटी हीरानन्दाणी	- शाह सिन्धी तह़ज़ीब जो रूह
9.	लेखराज अजीज	- सामी
10.	डॉ. मोतीलाल जोतवाणी	- सूफीज़ ऑफ सिन्ध
11.	प्रो. नारायणदास भम्भाणी	- शाह जूं सूरमियूं
12.	कीमत हरीसिघांणी	- सामीअ जे शलोकनि जो जायज़ो
13.	डॉ. एम. के. जेतली	- शाह जो रसालो हिकु अभ्यास
14.	परसो गिदवाणी	- शाह जो शइर
15.	प्रो. लक्ष्मण हर्दवाणी	- सामीअ जा श्लोक

Helpstudentpoint.com

द्वितीय प्रश्न पत्र
सिंधी गद्य एवं नाटक

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक 100**

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स - इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो। कुल अंक - 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से 5 अंक की व्याख्या अतः कुल 4व्याख्याएं।

इकाई (II)

नाविल – **"सैलाब जिन्दगीय जो"** – प्रो. पोपटी हीरानन्दानी

कूज पब्लिकेशन, शहीद भगतसिंह मार्ग, मुम्बई - 23

Helpstudentpoint.com

इकाई (III)

मज़मून – **"चून्ड सिंधी मज़मून"**

संग्रहकर्ता - कीरत बाबाणी साहित्य अकादमी, दिल्ली।

इकाई (IV)

कहाणी – **"सुजाणप जो संकट"** – डॉ. मोतीलाल जोतवाणी

सम्पर्क प्रकाशन, बी-24, दयानन्द कॉलोनी, लाजपतनगर, लई दिल्ली।

इकाई (V)

नाटक – **"काको कल्लूमल"**– मदन जुमाणी

बी 203/4, चिंतामणी, शंकर लेन, कान्दीवली (मुम्बई 67)

Helpstudentpoint.com

तृतीय प्रश्न पत्र
सिंधी साहित्य का इतिहास (प्रारम्भ से अब तक)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक 100**

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स - इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो। कुल अंक - 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

1. सिंधी साहित्य जो अवाइली दौर (8 ई. सदीअ खां 1500 ई. ताई)
2. इश्क ऐं सूर्याहीअ जे किस्सनि जो दौर

इकाई (II)

1. भक्ति काव्य जी धारा (1500 ई. सदीअ खां 1853 ई. ताई)
2. नये दौर में सिंधी शइर जो विकास

Helpstudentpoint.com

इकाई (III)

1. सिंधी साहित्य जो नओं दौर
2. सिंधी नसुर जी शुरूआत
3. सिंधी नसुर जो दौर

इकाई (IV)

1. सिंधी कहाणीअ जो विकास
2. सिंधी नाटक जो विकास

इकाई (V)

1. सिंधी उपन्यास जो विकास
2. सिंधी मज़मून ऐं आलोचना जो विकास

संदर्भ पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - डॉ. एम. के. जैतली
2. सिंधी नसुर जी तारीख - मंघाराम मल्काणी
3. विरहाड़े खाँ पोइ सिंधी साहित्य जो मुख्तिसर जायज़ो - मंघाराम मल्काणी
4. सिंधी अदब जी रूपरेखा - प्रो. जगदीश लछाणी
5. सिंधी साहित्य का इतिहास - प्रो. एल. एच. अजवाणी
6. सिंधी साहित्य जो इतिहास - प्रो. एल. एच. अजवाणी
   (तर्जुमान - प्रो. हीरो शेवकाणी)
7. हिस्ट्री ऑफ सिंधी लिटरेचर - प्रो. पोपटी हीरानन्दाणी
8. सिंधी भाषा, लिपि और साहित्य - डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
9. भारतीय सामायिक संस्कृति और सिंधी साहित्य - डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
10. सिंधी शइर जी तवारीख - डॉ. दयाल आशा
11. सिंधी शइर जो इतिहास - लीलो रूचन्दाणी
12. आज़ादीअ बइद सिंधी साहित्य जो इतिहास - लीलो रूचन्दाणी

(गुजरात सिंधी अकादमी गांधीनगर, गुजरात।)

Helpstudentpoint.com

चतुर्थ प्रश्न पत्र
भारतीय और पाश्चात्य साहित्य आलोचना के सिद्धान्त

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक 100**

इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स - इस खण्ड में प्रश्न संख्या 12 ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य है। शेष तीन वर्णनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रश्न सभी इकाईयों से दिए जाएगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पांच सौ शब्दों से अधिक न हो। कुल अंक - 40

पाठ्यक्रम एवं अंकों का विभाजनः

इकाई (I)

भारतीय साहित्यक सिद्धान्तों का अध्ययन:

1. नाट्य शास्त्र
2. अलंकार शास्त्र
3. रस सिद्धान्त
4. काव्य के सम्प्रदाय
5. छंद

Helpstudentpoint.com

इकाई (II)

सिंधी साहित्य की विधाओं का सैद्धान्तिक अध्ययन:

1. कहाणी
2. नई कहाणी
3. नाटक
4. रेडियो नाटक
5. उपन्यास

इकाई (III)

1. रिपोतार्ज
2. निबन्ध
3. आलोचना के सिद्धान्त
4. आलोचना के गुण

इकाई (IV)

पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्तों का अध्ययन:

1. अरस्तु का त्रासदी सिद्धान्त और अनुकरण
2. कालरिज का कल्पना सिद्धान्त
3. टी. एस. इलियट का स] बद्धता का सिद्धान्त

इकाई (V)

1. साहित्यक आलोचना के प्रकार
2. रोमानवाद
3. नाटक के सिद्धान्त

Helpstudentpoint.com

संदर्भ पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - डॉ. एम. के. जैतली
2. साहित्य जा सिद्धांत - आनन्द खेमाणी
3. अदबी आलाप - दीपचन्द्र बेलाणी
4. पंज गंज - झमटमल भावनाणी
5. उसूल ऐं आलोचना -जगदीश लच्छाणी
6. तनकीदी मज़मून - ए. जे. उत्तम
7. अलंकार ऐं छन्द - डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
8. अदबी उसूल - एम. यू. मल्काणी
9. भारतीय काव्य शास्त्र (दो भाग) - बलदेव उपाध्याय
10. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी
11. पाश्चात्य साहित्यलोचना के सिद्धांत - लीलाधर गुप्ता
12. रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र
13. सतसार - परम अबीचन्दाणी
14. साहित्यक परख - जगदीश लच्छाणी

Helpstudentpoint.com